चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 25 नवंबर 2026, अंक –401.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"अभिमान ज्ञान का अंत है।"

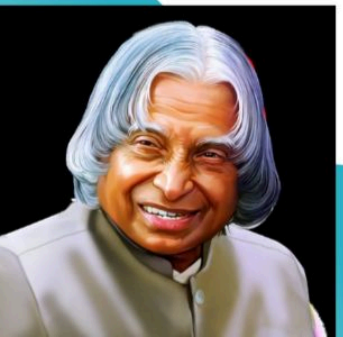

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. दक्षिण अमेरिका के देश सूरीनाम की राजधानी क्या है?
उत्तर: पारामारिबो।
प्रश्न 2. ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी कौन हैं?
उत्तर: नीरज चोपड़ा।
प्रश्न 3. ओडिशा की प्रसिद्ध पारंपरिक चित्रकला शैली क्या कहलाती है?
उत्तर: पट्टचित्र।
प्रश्न 4. एक सिक्के को उछालने पर चित आने की प्रायिकता कितनी होती है?
उत्तर: 1/2।
प्रश्न 5. बिहार का राजकीय पक्षी कौन-सा है?
उत्तर: गौरैया।
प्रश्न 6. घड़ियाल के नर की थूथन के सिरे पर घड़े जैसी उभरी संरचना को क्या कहते हैं?
उत्तर: घड़ा (घरा)।
प्रश्न 7. रबर को अधिक मजबूत और उपयोगी बनाने की वल्कनीकरण प्रक्रिया का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: चार्ल्स गुडइयर।
प्रश्न 8. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्द किस संविधान संशोधन से जोड़े गए?
उत्तर: 42वाँ संशोधन।
प्रश्न 9. 'जिसका वर्णन शब्दों में न किया जा सके' उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अकथनीय।
प्रश्न 10. बर्फ पानी पर तैरती क्यों है?
उत्तर: कम घनत्व के कारण।

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Aquaculture - एक्वाकल्चर - जल-कृषि / मत्स्य पालन
2. Pisciculture - पिसिकल्चर - मछली पालन
3. Dairy - डेयरी - दुग्धशाला
4. Cattle - कैटल - मवेशी / पशुधन
5. Breed - ब्रीड - नस्ल
6. Fodder - फॉडर - पशुचारा
7. Manure - मैन्योर - जैविक खाद



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "When are they going to + V1?"
(वे कब ... करने वाले हैं?)
वे नई दुकान कब खोलने वाले हैं? – When are they going to open a new shop?
वे अपना घर कब बनाने वाले हैं? – When are they going to build their house?
वे प्रतियोगिता में कब भाग लेने वाले हैं? – When are they going to take part in the competition?
वे हमारे गाँव कब आने वाले हैं? – When are they going to come to our village?
वे बैठक कब आयोजित करने वाले हैं? – When are they going to hold a meeting?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 24 नवंबर को मानव और प्रजातियों के विकासवादी सिद्धांत (Theory of Evolution) की ऐतिहासिक पुस्तक 'ऑन द ओरिजिन ऑफ स्पीशीज़' (1859) के प्रकाशन की स्मृति में कौन-सा वैज्ञानिक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विकास दिवस (Evolution Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 24 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'विकास दिवस' (Evolution Day) मनाया जाता है। 24 नवंबर 1859 को महान ब्रिटिश प्रकृतिवादी चार्ल्स डार्विन (Charles Darwin) की युगांतरकारी पुस्तक 'ऑन द ओरिजिन ऑफ स्पीशीज़' (On the Origin of Species) का प्रथम संस्करण प्रकाशित हुआ था। इस पुस्तक ने 'प्राकृतिक चयन द्वारा विकास' (Evolution by Natural Selection) के वैज्ञानिक सिद्धांत को प्रतिपादित किया, जिसने आधुनिक जीव विज्ञान, आनुवंशिकी और पारिस्थितिकी की संपूर्ण समझ को बदल दिया। यह दिवस विज्ञान के प्रति तार्किक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक साक्ष्यों के सम्मान और जीव-जगत के अंतर्संबंधों को समझने हेतु समर्पित है।

संदर्भ: Charles Darwin — 'On the Origin of Species' (1859); NCERT Biology Class 12, Ch 7 "विकास"

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा 'प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी घरों में रूफटॉप सोलर (छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र) अपनाने की गति को तीव्र करने हेतु किस विशेष मॉडल कार्यक्रम का विस्तार किया गया है? (समसामयिक घटना)

उत्तर: मॉडल सोलर विलेज (Model Solar Village) पहल

व्याख्या: भारत सरकार द्वारा 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत देश के प्रत्येक जिले में एक 'मॉडल सोलर विलेज' (आदर्श सौर ग्राम) विकसित करने की पहल को तेजी से लागू किया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और गांवों को ऊर्जा-आत्मनिर्भर बनाना है। 5,000 से अधिक आबादी वाले राजस्व गांवों के बीच स्वच्छ ऊर्जा अपनाने की प्रतिस्पर्धा के आधार पर चयनित प्रत्येक आदर्श सौर ग्राम को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे घरों, स्कूलों और पंचायत भवनों की छतों पर सौर पैनल लगाकर निःशुल्क व स्वच्छ बिजली सुनिश्चित की जा सके।

संदर्भ: Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) Guidelines;

प्र.3. आधुनिक हिंदी साहित्य में आंचलिक एवं प्रगतिशील कथाकार अमरकांत द्वारा रचित वह कौन-सी प्रसिद्ध कहानी है, जिसमें एक निर्धन और ईमानदार पहाड़ी घरेलू बाल-नौकर 'दिलबहादुर' पर झूठी चोरी के आरोप और घर छोड़कर चले जाने के पश्चात गृहस्वामी के आत्मग्लानि-बोध का मार्मिक चित्रण है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: बहादुर

व्याख्या: 'बहादुर' आधुनिक हिंदी कहानी परंपरा के मूर्धन्य कथाकार अमरकांत द्वारा रचित एक अत्यंत संवेदनशील और कालजयी यथार्थवादी कहानी है। इसमें मध्यवर्गीय समाज के दिखावे, झूठी प्रतिष्ठा और संवेदनहीनता का सजीव अंकन किया गया है। नेपाल-बिहार सीमा से आया एक हंसमुख और परिश्रमी बालक 'दिलबहादुर' अपनी मालकिन निर्मला के घर पूरी निष्ठा से काम करता है, किंतु एक दिन मेहमानों द्वारा ₹11 की चोरी का झूठा इल्जाम लगाए जाने और मारपीट से आहत होकर वह बिना अपनी तनख्वाह और सामान लिए चुपचाप घर छोड़कर चला जाता है। उसके जाने के बाद पूरे परिवार को अपनी भूल और अमानवीय व्यवहार पर गहरा पश्चाताप होता है।

संदर्भ: अमरकांत — 'बहादुर' (कहानी संग्रह: जिंदगी और जोंक), लोकभारती प्रकाशन;

प्र.4. किसी झील या जलीय पारिस्थितिक तंत्र में मौजूद कार्बनिक पदार्थों के जैविक अपघटन हेतु जीवाणुओं द्वारा उपभोग की जाने वाली घुलित ऑक्सीजन की मात्रा का मापक, जो जल प्रदूषण के स्तर को दर्शाता है, क्या कहलाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (BOD / Biochemical Oxygen Demand)

व्याख्या: 'जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग' (BOD) किसी जल निकाय में कार्बनिक प्रदूषण के स्तर को मापने का सबसे प्रमुख वैज्ञानिक पैमाना है। यह 1 लीटर जल में उपस्थित संपूर्ण कार्बनिक पदार्थों का सूक्ष्मजीवों (जीवाणुओं) द्वारा ऑक्सीकरण करने के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की मिलीग्राम मात्रा होती है। स्वच्छ और पेयजल का BOD मान 5 ppm (भाग प्रति दस लाख) से कम होता है, जबकि अत्यधिक प्रदूषित सीवेज जल का BOD मान 17 ppm या उससे कहीं अधिक होता है। जल में BOD जितना अधिक होगा, पानी में घुली हुई ऑक्सीजन (Dissolved Oxygen) उतनी ही कम होगी और मछलियों व जलीय जीवों के मरने का खतरा उतना ही बढ़ जाएगा।

संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन" (जल प्रदूषण), p. 412–414; NCERT Biology Class 12, Ch 10 & 16;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राजस्थान के टोंक और निम्बाहेड़ा क्षेत्र में विद्रोही सैनिकों और स्थानीय जनसाधारण का नेतृत्व कर ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट की सेना को पराजित करने वाले क्रांतिकारी सेनापति कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: मीर आलम खान (और ताराचंद पटेल)

व्याख्या: 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में टोंक रियासत के नवाब वजीरउद्दौला अंग्रेजों के समर्थक थे, किंतु उनके मामा 'मीर आलम खान' और टोंक की सेना ने विद्रोह का झंडा बुलंद किया। मीर आलम खान ने नीमच और ग्वालियर से आए विद्रोही सिपाहियों के साथ मिलकर टोंक के किले को घेर लिया और ब्रिटिश विरोधी मोर्चे का संचालन किया। इसी समय निम्बाहेड़ा में स्थानीय देशभक्त 'ताराचंद पटेल' ने जन-विद्रोह का नेतृत्व करते हुए ब्रिटिश सेना को कड़ी चुनौती दी। ब्रिटिश कर्नल जैक्सन के साथ हुए भीषण संघर्ष में मीर आलम खान वीरगति को प्राप्त हुए, जबकि ताराचंद पटेल को अंग्रेजों ने तोप के मुंह से बांधकर उड़ा दिया था।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. हिमालय पर्वत श्रृंखला के पीर पंजाल और जांस्कर श्रेणियों के मध्य स्थित 'कश्मीर घाटी' से होकर बहने वाली और वुलर झील का निर्माण करने वाली सिंधु नदी तंत्र की प्रमुख सहायक नदी कौन-सी है? (भूगोल)

उत्तर: झेलम नदी (प्राचीन नाम: वितस्ता)

व्याख्या: झेलम नदी (वैदिक नाम: वितस्ता) सिंधु नदी प्रणाली की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सहायक नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 725 किलोमीटर है। इसका उद्गम कश्मीर घाटी के दक्षिण-पूर्वी भाग में पीर पंजाल पर्वत श्रेणी की तलहटी में स्थित 'वेरीनाग झरने' (Verinag Spring) से होता है। यह श्रीनगर से बहती हुई भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील 'वुलर झील' (Wular Lake) से होकर गुजरती है। अपनी युवावस्था में होने के बावजूद समतल कश्मीर घाटी में बहने के कारण यह नदी प्रसिद्ध विसर्पों (Meanders) का निर्माण करती है। मुजफ्फराबाद से मंगला तक यह भारत और पाकिस्तान के बीच प्राकृतिक सीमा बनाती है और अंततः पाकिस्तान के झंग जिले में चिनाब नदी में मिल जाती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 18–20; NCERT Class

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद उच्च न्यायालय (High Court) को नागरिकों के मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन तथा किसी अन्य विधिक अधिकार के लिए 5 प्रकार की 'रिट' (Writs) जारी करने की व्यापक शक्ति प्रदान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 226 (Article 226)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्यों के उच्च न्यायालयों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 226' प्रत्येक उच्च न्यायालय को अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर किसी भी व्यक्ति, प्राधिकारी या सरकार के विरुद्ध 5 प्रकार के समादेश (रिट) — बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, उत्प्रेषण और अधिकार-पृच्छा — जारी करने की शक्ति देता है। उल्लेखनीय है कि रिट जारी करने के मामले में उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 226) का क्षेत्राधिकार सर्वोच्च न्यायालय (अनुच्छेद 32) से भी अधिक विस्तृत है, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय केवल 'मौलिक अधिकारों' के हनन पर ही रिट जारी कर सकता है, जबकि उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों के साथ-साथ 'सामान्य कानूनी अधिकारों' के प्रवर्तन हेतु भी रिट जारी कर सकता है।

संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 226; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 6 "न्यायपालिका", p. 132–136;

प्र.8. पौधों में प्रकाश संश्लेषण द्वारा पत्तियों में निर्मित भोजन (सुक्रोज/शर्करा) को पादप के सभी भागों (जड़ों, तनों और फलों) तक ऊपर और नीचे दोनों दिशाओं में स्थानांतरित करने वाले संवहन ऊतक का क्या नाम है? (विज्ञान)

उत्तर: फ्लोएम (पोषवाह / Phloem)

व्याख्या: संवहनी पादपों में जल और भोजन के परिवहन हेतु दो जटिल स्थायी ऊतक होते हैं: 'जाइलम' (Xylem - जो जड़ों से जल व खनिज लवणों को केवल ऊपर की ओर पत्तियों तक ले जाता है) और 'फ्लोएम' (Phloem)। पत्तियों में प्रकाश संश्लेषण के दौरान बनने वाले घुलनशील खाद्य पदार्थों (मुख्यतः सुक्रोज) का पादप के अन्य अंगों तक परिवहन 'स्थानांतरण' (Translocation) कहलाता है, जो 'फ्लोएम' ऊतक की चालनी नलिकाओं (Sieve Tubes) और साथी कोशिकाओं (Companion Cells) द्वारा संपन्न होता है। जाइलम के विपरीत, फ्लोएम में भोजन का परिवहन ऊर्जा (ATP) के उपयोग से ऊपर और नीचे दोनों दिशाओं (द्विदिशीय / Bidirectional) में होता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (पादपों में परिवहन - भोजन तथा दूसरे पदार्थों का स्थानांतरण), p. 120–122;

प्र.9. 13वीं शताब्दी में गंग वंश के शासनकाल में निर्मित और कला-संस्कृति के अंतर्गत प्राचीन भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में 'भरतनाट्यम' की उत्पत्ति किस राज्य के मंदिरों की 'सदिर अट्टम' नृत्य परंपरा से हुई है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: तमिलनाडु

व्याख्या: 'भरतनाट्यम' भारत का सबसे प्राचीन शास्त्रीय नृत्य रूप है, जिसकी उत्पत्ति दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य के मंदिरों में देवदासियों द्वारा किए जाने वाले भक्तिपूर्ण नृत्य 'सदिर अट्टम' (Sadir Attam) से हुई थी। इसका सैद्धांतिक आधार भरत मुनि के प्रसिद्ध ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' और नंदिकेश्वर के 'अभिनय दर्पण' में निहित है। इस नृत्य में भाव (अभिव्यक्ति), राग (संगीत), ताल (लय) और नाट्य का अद्भुत समन्वय होता है। यह मुख्य रूप से 'एकहार्य' (एकल नृत्य) शैली है, जिसमें एक ही नर्तक विभिन्न पौराणिक पात्रों की भूमिका निभाता है। 20वीं शताब्दी में ई. कृष्ण अय्यर और रुक्मिणी देवी अरुंडेल ने इसे मंदिरों से निकालकर विश्व मंच पर पुनर्जीवित और प्रतिष्ठित किया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय) & Performing Arts Modules;

प्र.10. 1936 में लखनऊ में स्थापित 'अखिल भारतीय किसान सभा' के प्रथम अध्यक्ष कौन चुने गए थे, जिन्होंने बिहार में 'हुंकार' पत्रिका का संपादन कर जमींदारी उन्मूलन आंदोलन को दिशा दी थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: स्वामी सहजानंद सरस्वती

व्याख्या: स्वामी सहजानंद सरस्वती (1889–1950) भारत में संगठित किसान आंदोलन के जनक और बिहार के सबसे प्रभावशाली कृषक नेता थे। उन्होंने वर्ष 1929 में सोनपुर मेले में 'बिहार प्रांतीय किसान सभा' (BPKS) की स्थापना की थी। इसके पश्चात अप्रैल 1936 में लखनऊ में आयोजित प्रथम 'अखिल भारतीय किसान कांग्रेस' (अखिल भारतीय किसान सभा) का उन्हें सर्वसम्मति से प्रथम अध्यक्ष चुना गया (महासचिव प्रो. एन. जी. रंगा बने थे)। उन्होंने पटना से 'हुंकार' नामक साप्ताहिक पत्र का संपादन किया और "कैसे लोगे मालगुजारी, लट्ठ हमारा जिंदाबाद" के उद्घोष के साथ किसानों को जमींदारी शोषण के विरुद्ध संगठित किया।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Peasant Movements & Freedom Struggle; Dr. K. K. Datta — 'History of Freedom Movement in Bihar';

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W4 — शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार अत्यधिक शीतलहर में 'फ्रॉस्टबाइट' (शीतदंश) तथा हाइपोथर्मिया से बचने हेतु शरीर के किन अंगों को ढंकना सर्वाधिक आवश्यक है और ठंड से अचानक बेहोश हुए व्यक्ति का प्राथमिक उपचार क्या होना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: सिर, कान, नाक, हाथ और पैर की उंगलियां ढंकना; बेहोश व्यक्ति को गर्म कमरे में ले जाकर सूखे कंबल में लपेटना व गुनगुना पेय देना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026' (नवंबर चतुर्थ शनिवार: शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार कड़ाके की ठंड और बर्फीली हवाओं से शरीर के बाहरी अंगों और आंतरिक तापमान पर गंभीर संकट उत्पन्न होता है:

1. संवेदनशील अंगों की सुरक्षा (शीतदंश से बचाव): मानव शरीर की सर्वाधिक ऊष्मा सिर और गर्दन के रास्ते बाहर निकलती है, तथा रक्त संचार कम होने से हाथ-पैर की उंगलियां, कान और नाक सबसे पहले सुन्न (Frostbite) होते हैं; अतः बाहर निकलते समय ऊनी टोपी, मफलर, दस्ताने और मोजे अवश्य पहनें।
2. बेहोश या हाइपोथर्मिया पीड़ित का प्राथमिक उपचार: यदि विद्यालय या आसपास कोई छात्र या व्यक्ति ठंड से कांपते हुए अचानक बेहोश हो जाए या उसकी जुबान लड़खड़ाने लगे, तो उसे तुरंत ठंडी हवा से हटाकर बंद और गर्म कमरे में लिटाएं; यदि उसके कपड़े गीले हों तो तुरंत उतारकर सूखे गर्म कंबल या रजाई में लपेटें; होश आने पर उसे गुनगुना पानी, अदरक की चाय, काढ़ा या हल्दी वाला गर्म दूध पिलाएं तथा तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुँचाएं (ध्यान रहे: सुन्न पड़े अंगों को सीधे आग पर न सेकें और न ही जोर से रगड़ें, इससे त्वचा को क्षति पहुँच सकती है)।
3. अलाव जलाने की सावधानी: खुले में समूह में सुरक्षित दूरी बनाकर ही अलाव तापें और पूरी तरह बुझाकर ही वहां से हटें। संदर्भ: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026 — नवंबर चतुर्थ शनिवार ("शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी"); SCERT Bihar Safe Saturday Handbook.

प्र.12. एक दुकानदार अपने सामान पर क्रय मूल्य (Cost Price) से 40% अधिक मूल्य अंकित करता है और फिर ग्राहकों को अंकित मूल्य (Marked Price) पर 25% की छूट (Discount) देता है। बताइए इस संपूर्ण सौदे में दुकानदार को कुल कितने प्रतिशत का लाभ या हानि होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 5% का लाभ

व्याख्या: यह 'अंकित मूल्य, छूट और लाभ प्रतिशत' के परस्पर संबंध पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है। माना कि वस्तु का वास्तविक क्रय मूल्य (CP) = ₹100 है। दुकानदार क्रय मूल्य से 40% अधिक मूल्य अंकित करता है: अतः वस्तु का अंकित मूल्य (MP) = 100 + 40 = 140\text{ रुपये}। अब दुकानदार अंकित मूल्य (₹140) पर 25% की छूट देता है: छूट की राशि = 140 \times (25 / 100) = 140 \times (1 / 4) = 35\text{ रुपये}। अतः वस्तु का वास्तविक विक्रय मूल्य (SP) = \text{अंकित मूल्य} - \text{छूट} SP = 140 - 35 = 105\text{ रुपये}। तुलना करने पर: क्रय मूल्य (CP) = ₹100 तथा विक्रय मूल्य (SP) = ₹105 (यहाँ SP > CP, अतः लाभ होगा)। शुद्ध लाभ = 105 - 100 = 5\text{ रुपये}। चूँकि क्रय मूल्य ₹100 माना गया था, इसलिए लाभ प्रतिशत = 5%। (वैकल्पिक संक्षिप्त सूत्र: प्रतिशत परिवर्तन = x - y - (xy / 100) = 40 - 25 - [(40 \times 25) / 100] = 15 - 10 = +5\% लाभ)। अतः इस सौदे में दुकानदार को ठीक 5% का शुद्ध लाभ होगा। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8 "राशि की तुलना" (पृष्ठ 1 से 8 पृष्ठ 128;

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Anathema (अनैथमा) = Abhorrence (अब्हॉरेंस) = घृणा का पात्र / अत्यंत अप्रिय वस्तु
Antonym – Blessing (ब्लेसिंग) = वरदान / शुभ वस्तु
Contravene (कॉन्ट्रवीन) = Violate (वायलेट) = उल्लंघन करना / विरोध करना
Antonym – Comply (कम्प्लाय) = पालन करना / अनुपालन करना
Despondent (डिस्पॉनडेंट) = Dejected (डिजेक्टेड) = निराश / हताश
Antonym – Hopeful (होपफुल) = आशावान / उम्मीद से भरा
Elucidate (इलूसिडेट) = Clarify (क्लैरिफाय) = स्पष्ट करना / विस्तार से समझाना
Antonym – Obscure (ऑब्स्क्योर) = अस्पष्ट करना / धुँधला करना
Impasse (इम्पास) = Deadlock (डेडलॉक) = गतिरोध / ऐसी स्थिति जिसमें आगे बढ़ना कठिन हो
Antonym – Breakthrough (ब्रेकथ्रू) = समाधान / प्रगति का मार्ग खुलना



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Nation Celebrates 557th Guru Nanak Jayanti; PM Modi Hails Sikh Tradition as 'Spirit of Sacrifice for Nation'; Stock Markets Closed
हिन्दी अनुवाद: देश मना रहा है 557वीं गुरु नानक जयंती; PM मोदी ने सिख परम्परा को 'राष्ट्र के लिए त्याग की भावना' बताया; शेयर बाज़ार बंद।
गुरु नानक जयंती 2026, जिसे गुरुपर्व या प्रकाश पर्व भी कहते हैं, 24 नवम्बर मंगलवार को मनाई जा रही है — यह सिख धर्म के संस्थापक और दस सिख गुरुओं में प्रथम, गुरु नानक देव जी की 557वीं जयंती है। यह पर्व कार्तिक पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। PM मोदी ने कहा कि सिख परंपरा राष्ट्र के लिए बलिदान की भावना का प्रतीक है। PM मोदी ने video message में गुरु नानक देव जी के सिद्धांतों की सार्वभौमिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये सिद्धांत भारत और विश्व के लोगों को सरलता और सद्भाव अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। आज शेयर बाज़ार बंद है। गुरु नानक देव जी का जन्म: 1469, Talwandi (अब Nankana Sahib, Pakistan) में। उनके प्रमुख संदेश: 'एक ओंकार' (ईश्वर एक है), 'किरत करो, नाम जपो, वंड छको' (श्रम करो, नाम लो, बाँटकर खाओ)। (Guru Nanak Jayanti 2026: How A Boy From Talwandi Became The Founder Of Sikhism +4)

2. Lowy Institute Asia Power Index 2026: India Retains 3rd Rank with 40.5 Score; Gap with China Narrowest Since 2018; PM Modi 2nd Most Influential Leader
हिन्दी अनुवाद: Lowy Asia Power Index 2026: India 40.5 score के साथ तीसरे स्थान पर बरकरार; China के साथ अंतर 2018 के बाद सबसे कम; PM मोदी दूसरे सबसे प्रभावशाली नेता।
भारत ने 2026 में एशिया के तीसरे सबसे शक्तिशाली देश के रूप में अपनी स्थिति मज़बूत की है — Lowy Institute की Asia Power Index 2026 के अनुसार China से शक्ति अंतर 2018 में इस सूचकांक की शुरुआत के बाद से अपने न्यूनतम स्तर पर आ गया है। भारत का कुल Power Score 40.5 अंक हो गया है। US का score 78.9 और China का 73.6 है — दोनों Superpower श्रेणी में (70+); भारत Major Power श्रेणी में (40+) है। Lowy Institute ने कहा कि हालाँकि economy और diplomacy में मिले-जुले परिणाम रहे, लेकिन India एशिया में अधिक प्रभावशाली हुआ — diplomacy, defence engagement, cultural reach और future resources में सुधार हुआ। PM मोदी को क्षेत्र के दूसरे सबसे प्रभावी नेता के रूप में स्थान दिया गया। India ने economic capability rank में एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरा स्थान प्राप्त किया — Japan को पीछे छोड़ा। UPSC/BPSC के लिए: Lowy Institute — Sydney, Australia स्थित think tank; Index 27 देशों को 131 indicators पर मापता है। (India consolidates major power status in Asia, narrows gap with China: Lowy Institute +4)

3. India Inc Posts 32% Net Profit Growth in Q2 FY27; IIT Patna AI Centre Inaugurated; BJP-SAD to Contest Punjab 2027 Polls Together
हिन्दी अनुवाद: India Inc की Q2 FY27 में शुद्ध लाभ 32% बढ़ा; IIT Patna में AI केंद्र का उद्घाटन; BJP-SAD पंजाब 2027 चुनाव साथ लड़ेंगे।
India Inc ने Q2 FY27 में 32 प्रतिशत शुद्ध लाभ वृद्धि दर्ज की — यह broad-based earnings momentum का परिचायक है। IIT Patna में AI केंद्र का उद्घाटन हुआ, जिससे अनुसंधान और तकनीकी विकास के लिए नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। BJP और शिरोमणि अकाली दल (SAD) ने 2027 पंजाब विधानसभा चुनाव साथ लड़ने का निर्णय किया। पंजाब में AAP वर्तमान सत्ता पक्ष है; 2022 में AAP ने 92/117 सीटें जीती थीं। IIT Patna — Bihar की प्रमुख तकनीकी संस्था — का यह AI केंद्र पश्चिम चम्पारण सहित पूरे बिहार के छात्रों के लिए तकनीकी शिक्षा का नया केंद्र बनेगा।

INTERNATIONAL NEWS

1. India-Nepal Summit: Modi-Balen Shah Sign 15 Agreements; Rs 20,000 Crore Arun-4 Hydropower Project, New Rail Links & Trade Concessions
हिन्दी अनुवाद: भारत-नेपाल शिखर वार्ता: मोदी-बालेन शाह ने 15 समझौतों पर हस्ताक्षर किए; ₹20,000 करोड़ की Arun-4 जलविद्युत परियोजना, नई रेल लाइनें और व्यापार रियायतें।
23 नवम्बर को PM मोदी और Nepal PM बालेन्द्र शाह के बीच formal bilateral वार्ता में 15 समझौते हुए। प्रमुख परिणाम: (1) Arun-4 Hydropower Project (₹20,000 करोड़, 669 MW) — SJVN द्वारा विकसित; (2) Pokhara-Gorakhpur New Rail Link; (3) Nepal को India द्वारा $1.5 billion credit line; (4) Nepal-India Power Trade Agreement का विस्तार — 2000 MW अतिरिक्त बिजली निर्यात; (5) Lumbini-Bodhgaya Buddhist Circuit Tourism Corridor; (6) 'Samriddha Nepal, Samunnat Bharat' 10-point partnership vision। साथ ही Raxaul-Kathmandu rail link और Motihari-Amlekhgunj Oil Pipeline विस्तार पर भी बातचीत हुई। नेपाल PM शाह (36 वर्षीय पूर्व मेयर, Kathmandu) ने India को अपनी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा चुना — यह India-Nepal "Neighbourhood First" नीति की बड़ी जीत है।

2. COP31 (Antalya): India Demands Developed Nations Fulfil $300 Billion Climate Finance Promise
हिन्दी अनुवाद: COP31 (अंताल्या): भारत ने विकसित देशों से $300 अरब की जलवायु वित्त प्रतिबद्धता पूरी करने की माँग की।
COP31 (9-20 November, Antalya, Turkey) में India के Environment Minister भूपेंद्र यादव ने विकसित देशों पर दबाव बनाया कि वे $300 billion climate finance commitment को 2025 की COP29 (Baku) घोषणा के अनुसार पूरा करें। India ने कहा — विकासशील देशों पर low-carbon transition का बोझ तब तक अनुचित है जब तक विकसित देश अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी नहीं उठाते। COP31 'COP of Implementation' कहा जा रहा है। LeadIT 3.0 (India-Sweden) पहले ही 17 नवम्बर को launch हो चुका है।

3. US-Iran War: Ceasefire Extended by 30 More Days; Iran Resumes IAEA Inspections at Natanz
हिन्दी अनुवाद: अमेरिका-ईरान युद्ध: युद्धविराम 30 दिनों के लिए और बढ़ाया गया; ईरान ने Natanz परमाणु स्थल पर IAEA निरीक्षण फिर शुरू किए।
अमेरिका और ईरान के बीच 60-दिवसीय युद्धविराम के समाप्त होने से पहले इसे 30 दिनों के लिए और बढ़ा दिया गया है। ईरान ने Natanz uranium enrichment facility पर IAEA निरीक्षण फिर से शुरू करने की सहमति दी है — यह परमाणु वार्ता में एक महत्वपूर्ण प्रगति है। नए Supreme Leader Mojtaba Khamenei अभी भी सार्वजनिक रूप से सक्रिय नहीं हैं।

BIHAR NEWS

1. November 24, 2005 — 21 Years of NDA Rule in Bihar: CM Samrat Choudhary Recalls Historic Date; BJP Reaffirms Development Commitment
हिन्दी अनुवाद: 24 नवम्बर 2005 — Bihar में NDA शासन के 21 वर्ष: CM सम्राट चौधरी ने ऐतिहासिक तिथि को याद किया; BJP ने विकास प्रतिबद्धता दोहराई।
24 नवम्बर 2005 को Bihar में पहली बार NDA सरकार बनी थी। CM सम्राट चौधरी ने कहा था — "हमने 24 नवम्बर 2005 को Bihar में पहली बार NDA सरकार बनाई। तब से कानून-व्यवस्था मजबूती से स्थापित हुई और हम विकास के प्रति लगातार प्रतिबद्ध रहे।" आज इस ऐतिहासिक तिथि के 21 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। CM सम्राट चौधरी — Bihar के 24वें और पहले BJP मुख्यमंत्री — ने Bihar के विकास का संकल्प दोहराया। सम्राट चौधरी-नेतृत्व वाली NDA सरकार ने Bihar Assembly में विश्वास मत जीता था। Bihar में NDA के 202/243 सीटें हैं — BJP 89, JDU 85, LJP(RV) 19, HAM 5, RLM 4। (businesstoday) (business-standard)

2. Indian Railways to Run 18,000 Additional Trains in Festive Season; Bihar-Delhi Trains Fully Booked for Gurpurab-Kartik Purnima
हिन्दी अनुवाद: Indian Railways ने festive season में 18,000 अतिरिक्त ट्रेनें चलाईं; गुरुपर्व-कार्तिक पूर्णिमा के लिए Bihar-Delhi ट्रेनें पूरी तरह बुक।
Indian Railways ने festive season में 18,000 अतिरिक्त ट्रेनें चलाईं। गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर Bihar के प्रमुख गुरुद्वारों (पटना साहिब, गया) में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। Bihar के Patna Sahib Gurdwara (Takht Sri Harmandir Ji Patna Sahib) — जहाँ सिख धर्म के 10वें गुरु, Guru Gobind Singh का जन्म 1666 में हुआ था — में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुँचे हैं। यह Bihar के लिए धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है।

SPORTS NEWS

1. Wellington Test Ends in Draw: Mitchell & Phillips' Rearguard Denies India; NZ 239/5 (120 overs); India's WTC Final Hopes Take a Hit
हिन्दी अनुवाद: Wellington Test ड्रॉ: Mitchell और Phillips की हठी बल्लेबाजी ने India को जीत से वंचित किया; NZ 239/5 (120 ओवर); India की WTC Final उम्मीदें धुंधली।
Daryl Mitchell और Glenn Phillips ने stubbornly मोर्चा संभाला और India को जीत से वंचित किया — New Zealand ने पहले Test में Basin Reserve पर ड्रॉ के साथ बच निकली। NZ की दूसरी पारी 239/5 (120 overs) पर समाप्त हुई — दोनों टीमों को 4-4 WTC points मिले। इस परिणाम से India की WTC Final qualification उम्मीदें और कमज़ोर हुईं — India का PCT (Points Percentage) 50 पर है। India ने final day 8 wickets की ज़रूरत के साथ शुरुआत की लेकिन 37 overs में केवल 3 wicket ले सके। Mitchell 49* (186 deliveries) और Phillips 26* (126 balls) ने team को बचाया। 2nd Test: 27 Nov - 1 Dec, Christchurch (Hagley Oval) — India को WTC Final के लिए यह Test जीतना आवश्यक। (1st Test: Mitchell, Phillips defy India as New Zealand escape with a draw +4)

2. IND vs NZ 2nd Test Preview: Christchurch Pitch to Suit Pacers; Siraj Likely In for Kamboj; India Must Win for WTC Final Shot
हिन्दी अनुवाद: IND vs NZ दूसरे Test का पूर्वावलोकन: Christchurch की pitch pacers की मददगार; Siraj की Kamboj की जगह वापसी संभव; WTC Final के लिए India को जीत ज़रूरी।
India के पास महत्वपूर्ण match winner Mohammed Siraj Christchurch Test के लिए उपलब्ध होने की उम्मीद है जो Wellington में नहीं खेले। India captain Shubman Gill ने कहा — "अगर हम दोनों Tests जीतते हैं तो WTC Final खेलने का बहुत अच्छा chance है।" Wellington में India ने 720/9 dec के साथ NZ में सर्वोच्च Test score का रिकॉर्ड बनाया; KL Rahul (136), Rishabh Pant (128) ने शतकीय पारियाँ खेलीं। 2nd Test: Hagley Oval, Christchurch — 27 November से।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

🇮🇳 "ज्ञान वह पुल है जो वर्तमान को भविष्य से जोड़ता है — नीतीश सेतु की तरह, हर दिन एक नया रास्ता बनाएं।"
NCC दिवस की शुभकामनाएं — Unity and Discipline। Bihar के बच्चों के लिए NCC एक सुनहरा अवसर है!

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

जिज्ञासा से मिली सफलता

जगदीश चंद्र बोस की पुण्यतिथि – 23 नवंबर

एक दिन महान भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस पौधों पर प्रयोग कर रहे थे। वे जानना चाहते थे कि क्या पौधे भी बाहरी वातावरण में होने वाले बदलावों के प्रति प्रतिक्रिया देते हैं?

लोगों के लिए पौधे केवल पेड़-पौधे थे, लेकिन बोस के लिए वे प्रकृति की एक अनसुलझी पहेली थे। उन्होंने वर्षों तक धैर्यपूर्वक प्रयोग किए। वे तापमान, प्रकाश और अन्य परिस्थितियों में बदलाव करके पौधों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करते रहे।

उनका मानना था कि विज्ञान में किसी बात को केवल सुनकर या मानकर स्वीकार नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रयोग और प्रमाण से उसकी सच्चाई जाननी चाहिए।

इसी जिज्ञासा और मेहनत के बल पर उन्होंने एक विशेष उपकरण क्रेस्कोग्राफ विकसित किया, जिससे पौधों की अत्यंत सूक्ष्म वृद्धि को मापा जा सकता था। उनके प्रयोगों ने दुनिया का ध्यान पौधों की संवेदनशील प्रतिक्रियाओं की ओर आकर्षित किया।

जगदीश चंद्र बोस ने रेडियो तरंगों और वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन बताता है कि महान खोजें अचानक नहीं होतीं; उनके पीछे वर्षों की मेहनत, धैर्य और सवाल पूछने की आदत होती है।

23 नवंबर 1937 को उनका निधन हुआ, लेकिन उनके वैज्ञानिक विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं।

सीख : किसी भी महान सफलता की शुरुआत एक छोटे-से सवाल से होती है। इसलिए सवाल पूछने से कभी मत डरिए। जिज्ञासु बनिए, प्रयोग कीजिए और तब तक सीखते रहिए, जब तक आपको उत्तर न मिल जाए।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-40

सोचो... समझो... हल करो...

						4		
	3	5						9
2		7	8					
	9						3	5
8	1	6			2			
3	7							
				6		7	2	
	5	1		3				

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

9	6	8	5	1	3	4	7	2
1	3	5	7	2	4	6	8	9
2	4	7	6	9	8	3	5	1
7	9	4	8	5	1	2	3	6
8	1	6	3	5	2	9	4	7
5	2	3	4	7	9	1	6	8
3	7	2	9	4	5	8	1	6
4	8	9	1	6	6	7	2	3
6	5	1	2	3	7	5	9	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 12, श्लोक 16
अनपेक्षः शुचिर्दक्ष उदासीनो गतव्यथः।
सर्वारम्भपरित्यागी यो मद्भक्तः स मे प्रियः॥

सरल हिन्दी अर्थ:
जो मनुष्य किसी भी सांसारिक वस्तु या फल की आकांक्षा (अपेक्षा) से रहित है, जो बाहर और भीतर से पवित्र (निर्मल) है, जो अपने प्रत्येक कार्य में चतुर एवं कुशल (दक्ष) है, जो पक्षपात या राग-द्वेष से ऊपर उठकर निष्पक्ष (उदासीन) रहता है, जो समस्त दुखों व चिंताओं से मुक्त (गतव्यथः) है, और जो स्वार्थपूर्ण तथा अहंकारजनित नए-नए आडंबरों का त्याग करने वाला है—ऐसा मेरा भक्त मुझे अत्यंत प्रिय है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
इस श्लोक में श्रीकृष्ण आध्यात्मिकता को आलस्य या अकर्मण्यता से अलग करते हुए उत्कृष्ट कार्यकुशलता और निष्पक्षता (Skillful Detachment & Integrity) का आदर्श प्रस्तुत करते हैं। यहाँ एक परिपक्व कर्मयोगी के पांच प्रमुख गुण बताए गए हैं:

- अनपेक्षः (Zero Entitlement): दूसरों से अत्यधिक उम्मीदें पालना ही मानसिक दुख की सबसे बड़ी जड़ है। 'अनपेक्ष' होने का अर्थ है—अपने कर्तव्य को बिना इस शर्त के पूरा करना कि बदले में मुझे प्रशंसा, सम्मान या तुरंत प्रतिफल मिले।
- शुचिः (Inner & Outer Integrity): केवल शारीरिक स्वच्छता ही नहीं, बल्कि विचारों की स्पष्टता, व्यवहार में पारदर्शिता और आर्थिक व नैतिक ईमानदारी ही वास्तविक शुचिता है।
- दक्षः (Professional Excellence): गीता स्पष्ट करती है कि सच्चा साधक लापरवाह या निकम्मा नहीं होता। वह अपने क्षेत्र में अत्यंत दक्ष (Proficient), सजग और समय का पाबंद होता है। आध्यात्मिकता का अर्थ काम से बचना नहीं, बल्कि काम को सर्वोच्च गुणवत्ता के साथ करना है।
- उदासीनः (Impartiality & Objectivity): यहाँ उदासीन का अर्थ 'निष्क्रिय' होना नहीं, बल्कि 'निष्पक्ष और तटस्थ' (Unbiased) होना है—अर्थात किसी गुट, व्यक्ति या स्वार्थ के पक्ष में झुके बिना केवल सत्य और न्याय के साथ खड़ा रहना।
- गतव्यथः (Freedom from Chronic Worry): बीती बातों के पश्चाताप और भविष्य की काल्पनिक व्यथा (चिंता) से मुक्त रहकर वर्तमान क्षण में पूरी ऊर्जा के साथ जीना।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

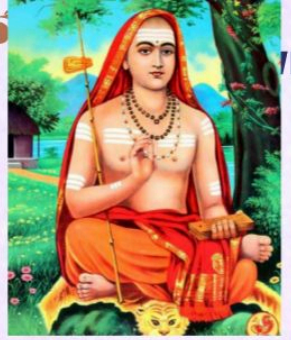

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

अद्वैत वेदांत के सूर्य और भारत की सांस्कृतिक एकता के सूत्रधार: आदि शंकराचार्य

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे बालक के बारे में सुना है, जिसने केवल आठ वर्ष की छोटी सी उम्र में चारों वेदों का संपूर्ण ज्ञान प्राप्त कर लिया हो और मात्र बत्तीस वर्ष की आयु में पूरे भारत की पैदल यात्रा करके देश के चारों कोनों में चार महान मठों (तीर्थों) की स्थापना कर दी हो? आज हम भारत के एक ऐसे ही विलक्षण दार्शनिक, महान धर्मसुधारक और सांस्कृतिक एकता के शिल्पकार की प्रेरक दास्तान सुनेंगे, जिन्हें पूरा संसार बड़े आदर और श्रद्धा से 'जगतगुरु आदि शंकराचार्य' कहकर पुकारता है।

आदि शंकराचार्य का जन्म 8वीं शताब्दी (लगभग 788 ई.) में केरल के एर्नाकुलम ज़िले के 'कालड़ी' नामक सुंदर और हरे-भरे गाँव के एक अत्यंत धर्मपरायण नंबूदरी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री शिवगुरु और माता का नाम श्रीमती आर्यांबा था। माता-पिता की कई वर्षों की कठिन तपस्या और भगवान शिव की कृपा से इस दिव्य बालक का जन्म हुआ था, इसलिए उनका नाम 'शंकर' रखा गया। जब नन्हे शंकर मात्र तीन वर्ष के थे, तभी उनके पिता का देहांत हो गया। इसके बाद उनकी माता आर्यांबा ने बड़े स्नेह और संस्कारों के साथ उनका पालन-पोषण किया।

नन्हे शंकर बचपन से ही अद्भुत और विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। जब वे पाँच वर्ष के हुए, तो उनका उपनयन संस्कार हुआ और वे गुरुकुल पढ़ने गए। उनकी स्मरण शक्ति इतनी तीव्र थी कि वे किसी भी श्लोक या ग्रंथ को केवल एक बार सुनकर ही कंठस्थ कर लेते थे। एक बार भिक्षा माँगते समय बालक शंकर एक अत्यंत गरीब महिला की झोपड़ी के द्वार पर पहुँचे। उस गरीब महिला के पास देने के लिए अन्न का एक दाना भी नहीं था; उसने संकोचवश केवल एक सूखा 'आँवला' बालक के पात्र में रख दिया। महिला की गरीबी और त्याग से द्रवित होकर नन्हे शंकर ने वहीं खड़े-खड़े माँ लक्ष्मी की स्तुति में 'कनकधारा स्तोत्र' की रचना कर दी, जिससे उस गरीब महिला के आँगन में सोने के आँवलों की वर्षा हो गई!

आठ वर्ष की उम्र में नन्हे शंकर के मन में संन्यास लेकर धर्म और ज्ञान का प्रचार करने की प्रबल इच्छा जगी, किंतु अपनी इकलौती संतान को स्वयं से दूर भेजने के लिए माता आर्यांबा तैयार नहीं थीं। एक दिन शंकर अपनी माता के साथ पूर्णा नदी में स्नान कर रहे थे, तभी एक विशाल मगरमच्छ ने बालक शंकर का पैर पकड़ लिया। बालक ने शांत भाव से माँ से कहा—"माँ, यदि तुम मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दे दो, तो यह मगरमच्छ मुझे तुरंत छोड़ देगा और मेरा नया जन्म हो जाएगा।" पुत्र के प्राण बचाने के लिए माँ ने रोते हुए संन्यास की आज्ञा दे दी और चमत्कारिक रूप से मगरमच्छ ने शंकर का पैर छोड़ दिया। वचन के अनुसार, शंकर ने माँ को भरोसा दिया कि उनके अंतिम समय में वे कहीं भी हों, अवश्य उनके पास लौटेंगे।

घर त्यागकर वे नर्मदा नदी के तट पर पहुँचे और स्वामी गोविंद भगवत्पाद से संन्यास की दीक्षा ली। उस दौर में भारत अनेक छोटे-छोटे मतों और अंधविश्वासों में बँटकर कमज़ोर हो रहा था। शंकराचार्य ने पूरे देश का भ्रमण किया और बड़े-बड़े विद्वानों (जैसे मंडन मिश्र) से शास्त्रार्थ कर 'अद्वैत वेदांत' की स्थापना की। उन्होंने सिखाया कि "अहं ब्रह्मास्मि" और "ईश्वर एक है, सबमें एक ही चेतना और आत्मा विद्यमान है।"

उन्होंने पूरे भारत को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में पिरोने के लिए देश की चारों दिशाओं में चार महान पीठों (मठों) की स्थापना की—उत्तर में बद्रीनाथ (ज्योतिर्मठ), दक्षिण में श्रृंगेरी (शारदा पीठ), पूर्व में पुरी (गोवर्धन पीठ) और पश्चिम में द्वारका (शारदा पीठ)। 820 ई. में मात्र बत्तीस वर्ष की आयु में केदारनाथ की पावन हिमालयी वादियों में इस महान युगद्रष्टा ने महासमाधि ले ली। प्यारे बच्चों, आदि शंकराचार्य का पावन जीवन हमें सिखाता है कि ज्ञान और बुद्धि से हर अंधकार को मिटाया जा सकता है; अपने माता-पिता के प्रति सदैव कृतज्ञ रहो और पूरे देश व मानवता को एक परिवार समझो।

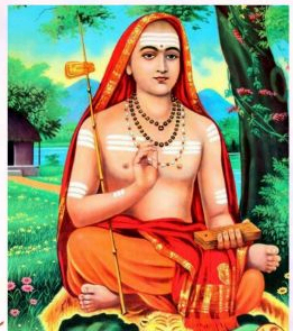

.....✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

अपने कार्य में पूरी कुशलता और ईमानदारी झोंक दीजिए, निर्णय लेने में पूर्णतः निष्पक्ष रहिए, लेकिन परिणाम और दूसरों के व्यवहार से कोई अपेक्षा मत बांधिए; यही निस्वार्थ दक्षता आपको हर प्रकार की मानसिक व्यथा से मुक्त कर देगी।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org